Intruders arrested/killed along Northern and Western sectors

1645. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of intruders arrested or killed since 1982 along the Northern and Western sectors of the Indo-Pak border;

(b) how many of them were males and females; and

(c) how many of them were Pakistanis, Bangladeshis or Indians?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Organising pension camps to redress grievances of pensioners

1646. SHRI NARESH C. PUGLIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether he has made suggestions for organising pension camps by voluntary agencies and to redress grievances of pensioners on the spot;

(b) whether Government have formulated any guidelines in this regard to help both the camp organisers and the pensioners;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) if not, what are the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRI BIREN SINGH ENGTI): (a) to (d) In the inaugural meeting of the Standing Committee of Voluntary Agencies for the Department of Pension and Pensioners' Welfare held on September 10, 1986, it was suggested that selected voluntary agencies could organise pension camps for on-the-spot redress of individual grievances of pensioners and that the Government would give full cooperation in such an enterprise. The voluntary agencies were also advised that they should identify the problems and the areas to concretise the proposals for organising such camps. Their response is awaited.

1647. **श्री नरेश सी० पुगलिया** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार ने राज्यवार कितने-कितने डाकखाने खोलने की स्वीकृति दी थी और 31 अक्तूबर, 1986 की स्थिति के अनुसार इन डाकखानों में से कितने डाकखानों में कार्य पहले ही आरम्भ हो गया है तथा 31 मार्च, 1987 तक और कितने डाकखानों में कार्य आरम्भ किये जाने की संभावना है;

(ख) महाराष्ट्र में किन-किन स्थानों पर डाकघर खोले जाने की संभावना है और कितने डाकघरों का दर्जा बढ़ाए जाने की संभावना है, अंशकालिक डाकघर कितने हैं और कितने अंशकालिक डाकघर और खोले जाने की संभावना है, ;

(ग) क्या कुछ मौजूदा डाकघरों को बन्द किए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सन्ताष मोहन देव) : (क) 1-4-1983 से 31-3-1986 की अवधि के दौरान स्वीकृत डाकघरों की कुल संख्या 2327 है । सर्किल-वार आंकड़े विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिये) ये सभी डाकघर कार्य कर रहे हैं ।

(ख) नये पदों के सृजन पर चल रही मौजूदा पाबन्दी को मद्देनजर रखते हुए महाराष्ट्र अथवा किसी अन्य डाक सर्किल में डाकघर खोलने/दर्जा बढ़ाने का फिलहाल कोई कार्यक्रम नहीं है ।

(ग) और (घ) सामान्य स्थापना पद्धतियों के अनुसार डाकघरों के कुल कार्य और लागत तथा उसकी आय की आवधिक पुनरीक्षा की जाती है । जिन डाकघरों का कार्य पर्याप्त नहीं होता अथवा न्यूनतम निर्धारित सीमा तक राजस्व अर्जित होने की उमीद नहीं होती, ऐसे डाकघर बन्द करने के योग्य समझे जाते हैं । ऐसे डाकघरों के इलाकों में व्यवहार्य दूरी के अन्तर्गत स्थित दूसरे डाकघर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है । यह नियमित प्रक्रिया है । इसके अतिरिक्त शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में दो डाकघरों के बीच की दूरी निर्धारित है तथा पहले खोले गए डाकघरों (निर्धारित सीमा के भीतर) की पुनरीक्षा की जाती है तथा ऐसे मामलों में डाक परियात की वास्तविक आवश्यकता सिद्ध न होने पर बन्द किया जा सकता है । महाराष्ट्र सर्किल में भी इस सामान्य नीति के अन्तर्गत यह संभव है कि पुनरीक्षा परिणामों के आधार पर कुछ डाकघर बन्द किये जा सकते हैं ।

विवरण

1-4-1983 से 31-3-1986 की अवधि के दौरान स्वीकृत डाकघरों की संख्या ।

डाक सर्किल	खोले गए डाकघर
1. आंध्र प्रदेश	148
2. बिहार	281
3. दिल्ली	—
4. गुजरात	99
5. जम्मू व कश्मीर	35
6. कर्नाटक	51
7. केरल	74
8. मध्य प्रदेश	268
9. महाराष्ट्र	223
10. उत्तर पूर्व	175
11. उत्तर पश्चिम	105
12. उड़ीसा	126
13. राजस्थान	149
14. तमिलनाडु	106
15. उत्तर प्रदेश	339
16. पश्चिम बंगाल	148
योग	2327

Telephone complaints in Bombay

1648. SHRI NARESH C. PULGIA: Will the Minister of COMMUNICATIOINS be pleased to state:

(a) what is the number of complaints received regarding non-working of telephones in Bombay during the year 1985;

(b) what is the number of such complaints received in 1986, till 31st October, 1986; and

(c) what steps have been taken for improvement of the telephone system in Bombay?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) The number of complaints received regarding non-working of telephones in Bombay Telephones during 1985 was 25,10,177.

(b) The number of complaints received in 1986, till 30th September, 1986 was 15,45,624. The figure for October 1986 is still under compilation.

(c) Steps taken for improving the telephone system in Bombay are given in the attached statement.